भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1893
जिसका उत्तर 11 फरवरी, 2026 को दिया जाना है ।
22 माघ, 1947 (शक)

तकनीकी इंटर्नशिप कार्यक्रम

1893. श्री शशांक मणिः
श्री बलभद्र माझीः
श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाहः
श्री विजय कुमार दूबेः
श्री पी. सी. मोहनः
श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ः
श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोरः
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैयाः
श्री जुगल किशोरः
डॉ. हेमांग जोशी:
श्री चन्द्र प्रकाश जोशीः
श्री अनूप प्रधान वाल्मीकिः
श्री नलिन सोरेनः

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा विशेषकर ओडिशा के नवरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के छात्रों, दाहोद, जम्मू और कश्मीर संघ राज्यक्षेत्र और झारखंड के इंजीनियरिंग और डिप्लोमा कॉलेजों के छात्रों के लिए उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में छात्रों और युवा पेशेवरों के बीच उद्योग के लिए तैयार कौशल को सुदृढ़ करने के लिए कोई तकनीकी इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया गया है या शुरू किया जाना है;
(ख) यदि हां, तो विशेषकर ओडिशा के नवरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के पीवीटीजी के लिए कार्यक्रम के उद्देश्य क्या हैं, पात्रता मानदंड क्या हैं, व्याप्ति क्या है, वित्तीय/संस्थागत रूपरेखा क्या है और दायरा क्या है;
(ग) कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और इससे जुड़े क्षेत्रों को कवर करने के लिए कार्यक्रम के अंतर्गत प्रस्तावित तकनीकी दायरा और क्षेत्र क्या हैं और ओडिशा के नवरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र तया कर्नाटक, विशेषकर बेंगलुरू के युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए किए गए प्रबंध क्या हैं;
(घ) इसके चरणबद्ध कार्यान्वयन के लिए परिकल्पित समय-सीमा का ब्यौरा क्या है और क्या नवरंगपुर सहित आकांक्षी जिलों, जनजाति बहुल क्षेत्रों और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) बहुल क्षेत्रों को प्राथमिकता दिए जाने का विचार हैं;
(ङ) इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिवर्ष दिए जाने के लिए प्रस्तावित इंटर्नशिप/सीटों की कर्नाटक सहित राज्यवार संख्या कितनी है;
(च) क्या स्टार्ट-अप और एमएसएमई को इंटर्नशिप के लिए मेजबान संगठनों के रूप में शामिल करने का विचार है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(छ) दाहोद में "डिजिटल इंडिया" के अंतर्गत आईटी कौशल केंद्रों के विस्तार की रूपरेखा क्या है?

उत्तर
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (छ): सरकार अपने संगठनों और समर्थित संस्थानों के माध्यम से, आकांक्षी जिलों, आदिवासी बहुल क्षेत्रों और केंद्र शासित प्रदेशों सहित देश भर में उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों हेतु छात्रों और युवा पेशेवरों के बीच उद्योग-तैयार कौशल विकसित करने के उद्देश्य से क्षमता निर्माण, कौशल, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत विभिन्न पहलों को कार्यान्वित कर रही है।

डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन (इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एक धारा 8 गैर-लाभकारी कंपनी) के तहत राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी) ने वर्ष 2025 में तकनीकी इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया है। तकनीकी इंटर्नशिप कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को वास्तविक दुनिया, पेशेवर वातावरण में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए एक मूल्यवान प्लेटफॉर्म प्रदान करना है।

देश भर में विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) सहित सामान्य, आर्थिक रूप से संवेदनशील वर्ग (ईडब्ल्यूएस), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी), और अनुसूचित जनजाति (एसटी) से संबंधित छात्र और युवा पेशेवर एनईजीडी वेबसाइट- https://negd.gov.in/ पर ऑनलाइन आवेदन करके कार्यक्रम से प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त कर सकते है।

कार्यक्रम का विवरण निम्नानुसार है:

- तकनीकी इंटर्न को द्वि-वार्षिक आधार पर यानी जनवरी और जुलाई में हायर किया जाएगा।
- इंटर्नशिप की अवधि केवल छह (06) महीने के लिए होगी।
- तकनीकी इंटर्न को 30 दिन पूरे होने के बाद प्रति माह 20,000 रुपये का वज़ीफ़ा मिलेगा।

यह कार्यक्रम व्यापक रूप से उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा इंजीनियरिंग और एनालिटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेवऑप्स और ऑटोमेशन, साइबर सुरक्षा, डेटाबेस और क्लाउड-आधारित डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य डिजिटल प्रौद्योगिकियों को शामिल करता है, जो डिजिटल इंडिया पहल के साथ संबद्ध हुआ है। समावेशी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए ऑनलाइन और पारदर्शी आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से देश भर के पात्र युवाओं के लिए इंटर्नशिप ओपन है।

इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा देश भर में उभरते और उन्नत प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में उद्योग के लिए तैयार जनशक्ति विकसित करने के उद्देश्य से निम्नलिखित पहलों के माध्यम से कौशल और क्षमता निर्माण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है:

- **राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट),** एमईआईटीवाई के तहत एक स्वायत्त वैज्ञानिक सोसायटी है, जो इलेक्ट्रॉनिकी, आईटी और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर, ड्रोन प्रौद्योगिकी, सौर ऊर्जा और साइबर सुरक्षा में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देती है। वर्तमान में, नाइलिट अपने स्वयं के 56 केंद्रों और 700 से अधिक मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण भागीदारों के एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के साथ-साथ आईईसीटी क्षेत्रों में कौशल विकास और क्षमता निर्माण गतिविधियों के संचालन के लिए 9,000 से अधिक सुविधा केंद्रों का संचालन करता है। इसके अलावा, गुजरात राज्य में, नाइलिट की राज्य भर में डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों (डीएलसी) के प्रचार-प्रसार के लिए 234 सुविधा केंद्रों के माध्यम से मौजूदगी है, इनमें से 10 दाहोद जिले में स्थित हैं।
- **फ्यूचरस्किल्स प्राइम:** उद्योग कौशल अंतर को पाटने के लिए, एमईआईटीवाई ने नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज (नैसकॉम) के साथ संयुक्त रूप से "फ्यूचरस्किल्स प्राइम" नामक एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य नई/उभरती प्रौद्योगिकियों में उम्मीदवार को फिर से कौशल प्रदान करना है। फ्यूचरस्किल्स प्राइम कार्यक्रम के तहत, प्लेटफॉर्म पर 500+ से अधिक पाठ्यक्रम और 2000+ डिजिटल प्रवाह मार्ग पेश किए जाते हैं।
- **"वर्क बेस्ड लर्निंग (डब्ल्यूबीएल)" कार्यक्रम** भारत सरकार द्वारा एमईआईटीवाई संस्थानों (यानी सर्ट-इन, सी-डैक, नाइलिट, एसटीक्यूसी, सीमैट, अर्नेट और समीर) के माध्यम से एससी/एसटी/महिला/ईडब्ल्यूएस स्नातकों/स्नातकोत्तरों को सुदृढ़ और सशक्त बनाने के लिए शुरू किया गया है। डब्ल्यूबीएल परियोजना उम्मीदवारों को इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वावधान में संस्थानों द्वारा की जा रही विभिन्न डिजाइन/विकासात्मक/अनुसंधान गतिविधियों से अवगत होने का अवसर प्रदान करती है। परियोजना के तहत, अब तक 3526 उम्मीदवारों को नामांकित किया गया है, जिनमें से 2338 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है।

*****